
shrIbadarInAthAShTakam

—
श्रीबदरीनाथाष्टकम्
—

Document Information



Text title : badarInAthAShTakam

File name : badarInAtha8.itx

Category : aShTaka, vishhnu, vishnu_misc, vishnu

Location : doc_vishhnu

Transliterated by : N.Balasubramanian bbalu at satyam.net.in

Proofread by : N.Balasubramanian bbalu at satyam.net.in

Latest update : May 3, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 22, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीबदरीनाथाष्टकम्



भू-वैकुण्ठ-कृतं वासं देवदेवं जगत्पतिम्।
चतुर्वर्ग-प्रदातारं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ १ ॥

तापत्रय-हरं साक्षात् शान्ति-पुष्टि-बल-प्रदम्।
परमानन्द-दातारं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ २ ॥

सद्यः पापक्षयकरं सद्यः कैवल्य-दायकम्।
लोकत्रय-विधातारं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ३ ॥

भक्त-वाञ्छा-कल्पतरुं करुणारस-विग्रहम्।
भवाब्धि-पार-कर्तारं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

सर्वदेव-स्तुतं सश्वत् सर्व-तीर्थास्पदं विभुम्।
लीलयोपात्त-वपुषं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ५ ॥

अनादिनिधनं कालकालं भीमयमच्युतम्।
सर्वाश्चर्यमयं देवं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ६ ॥

गन्दमादन-कूटस्थं नर-नारायणात्मकम्।
बदरीखण्ड-मध्यस्थं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

शत्रूदासीन-मित्राणां सर्वज्ञं समदर्शिनम्।
ब्रह्मानन्द-चिदाभासं श्रीबदरीशं नमाम्यहम् ॥ ८ ॥

श्रीबद्रीशाष्टकमिदं यः पठेत् प्रयतः शुचिः।
सर्व-पाप-विनिर्मुक्तः स शान्तिं लभते पराम् ॥ ९ ॥

॥ ॐ तत्सत् ॥

Encoded and proofread by

N. Balasubramanian bbalu at sify.com

shrIbadarInAthAShTakam

pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

